RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

ECONOMICS

राष्ट्रीयकृत और विकासात्मक बैंक



LIVE STREAMING 16-05-2024 11AM

मौद्रिक नीति (Monitory-policy)
साख नियंत्रण नीति (credit-control-policy) } → द्विमासिक (Bi-monthly) बनाई जाती है।

✓ निर्माण (formation) → देश के केन्द्रीय बैंक द्वारा (RBI)

समिति → मौद्रिक नीति समिति (MPC)

उद्देश्य (Objective) →

① तरलता को नियंत्रित करना (Liquedity-control)

② मुद्रास्फीति पर नियंत्रण (Inflation-control)

प्रकार (Types) →

① कठोर मौद्रिक नीति (Tight-Monitory-policy)

② सस्ती मौद्रिक नीति (Easy-Monitory-policy)

मौद्रिक नीति → प्रकार

कठोर मौद्रिक नीति
Tight-Mon.-policy.

↳ इसमें ब्याज दर (Interest-Rate) को बढ़ाकर, तरलता (L) को कम किया जाता है।

ब्याज दर (IR) ↑ = तरलता (L) ↓

RBI —I.R↑→ व्यापारिक बैंक —I.R↑→ जनता

↳ संकुचित मौद्रिक नीति
(Compressed-monitary-policy)
(अन्य नाम).

सस्ती / सरल मौद्रिक नीति
Easy-monitary-policy.

↳ इसमें ब्याज दर (IR) में कमी करके तरलता (L) को बढ़ाने का प्रयास किया जाता है।

ब्याज दर (IR) ↓ = तरलता (L) ↑

RBI —I.R↓→ व्यापारिक बैंक —I.R↓→ जनता

↳ विस्तारित मौद्रिक नीति
(Expantionary-Mon.-pol.).
(अन्य नाम).

मौद्रिक नीति के उपकरण
Tools of Monitory Policy

मात्रात्मक उपकरण
Quantitative Tools

- रेपो दर (Repo Rate) (RR) ✓
- रिवर्स रेपो दर (RRR) ✓
- OMO (open market operations)
  (खुले बाजार की क्रियाएं) ✓
- CRR (Cash Reserve Ratio) ✓
  (नकद आरक्षित अनुपात)
- SLR (सांविधिक तरलता अनुपात) ✓
  (Statutory Liquedity Ratio)

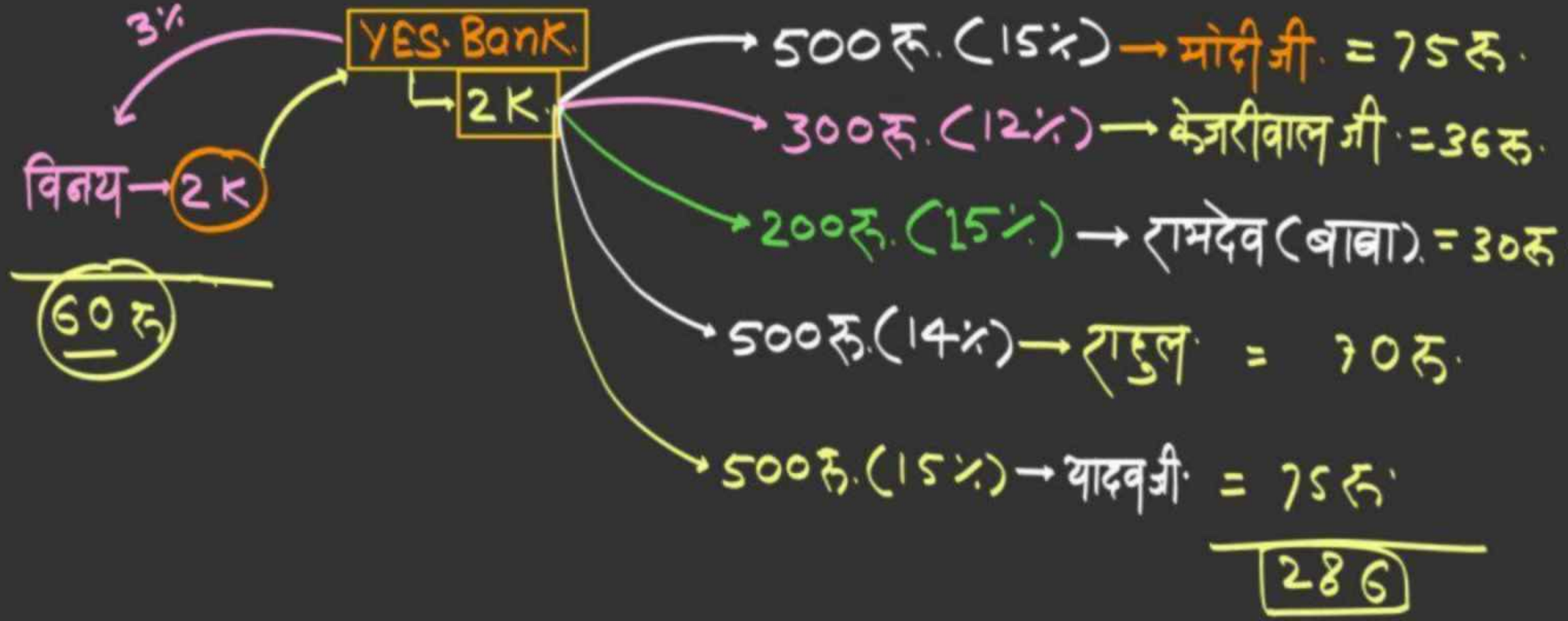
- बैंक रेट (Bank Rate)
- MSF दर ✓

गुणात्मक (Qualitative)
चयनात्मक (selective)

- साख राशनिंग (Credit Rationing)
- नैतिक दबाव
- साख की उच्च सीमा एवं
  निम्न सीमा लगाकर ✓

✓ व्यापारिक बैंक → साख-सृजन (credit-creation)

↳ लाभ कमाना ✓ ✓



मात्रात्मक उपकरण (Quantitative Tools)

⊙ रेपो रेट (Repo Rate) :-

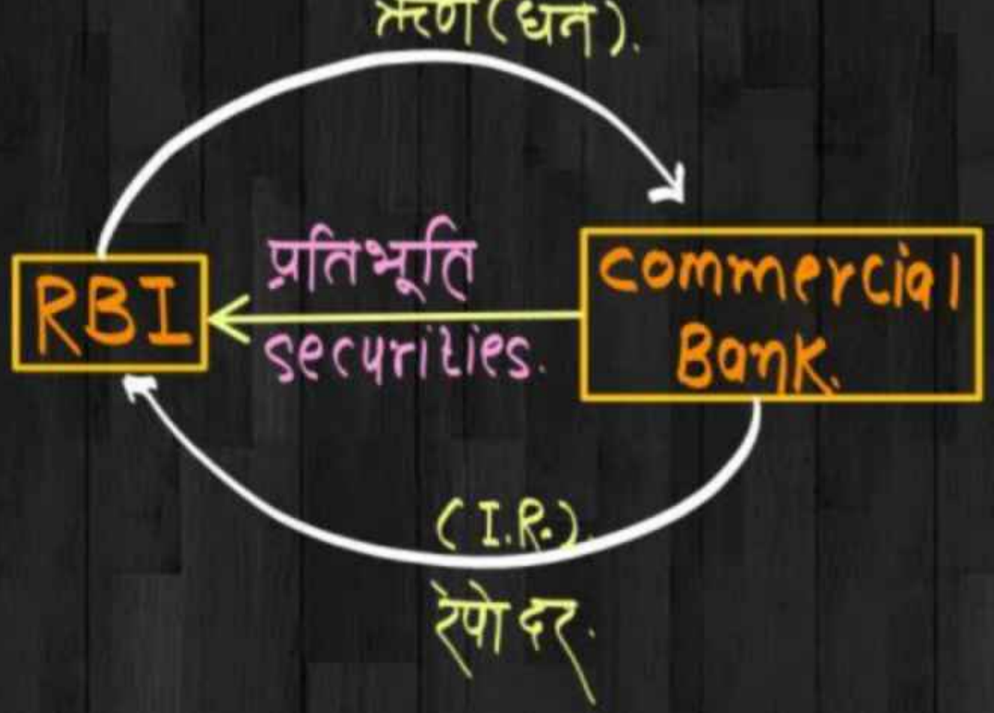
Re-purchase option.

(पुनः क्रय विकल्प)

↳ देश की केन्द्रीय बैंक (RBI) जिस ब्याज दर (IR) पर व्यापारिक बैंको (comm. Bank) को अल्पकाल (short term) के लिए ऋण देती है। उस ब्याज दर (IR) को रेपो रेट कहते हैं।

रेपो रेट (RR)↑ = तरलता (L)↓
रेपो रेट (RR)↓ = तरलता (L)↑

↳ वर्तमान में यह → 6.50% है।



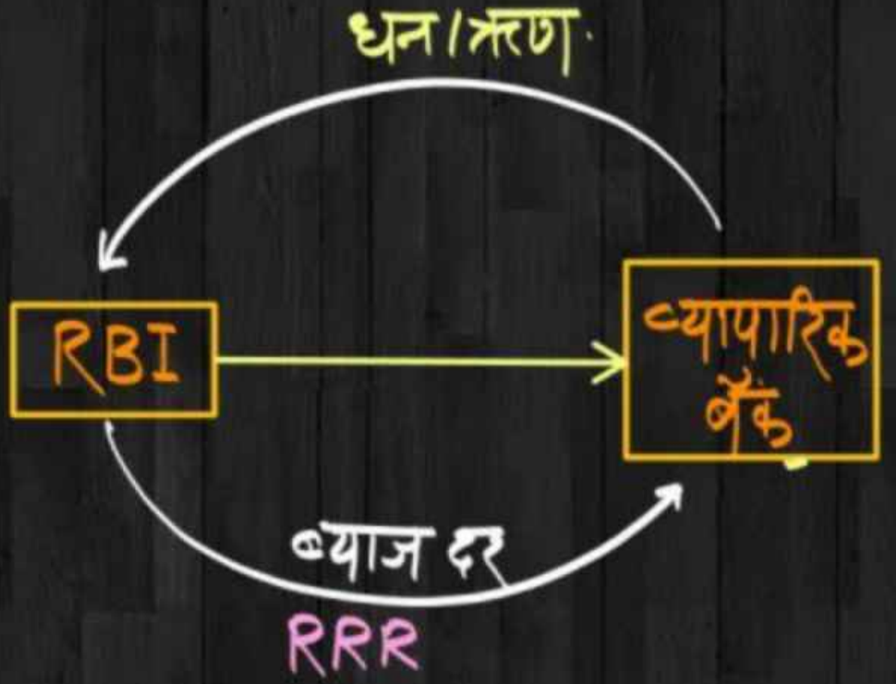
⊙ रिवर्स रेपो रेट (RRR) →

Reverse Repo Rate

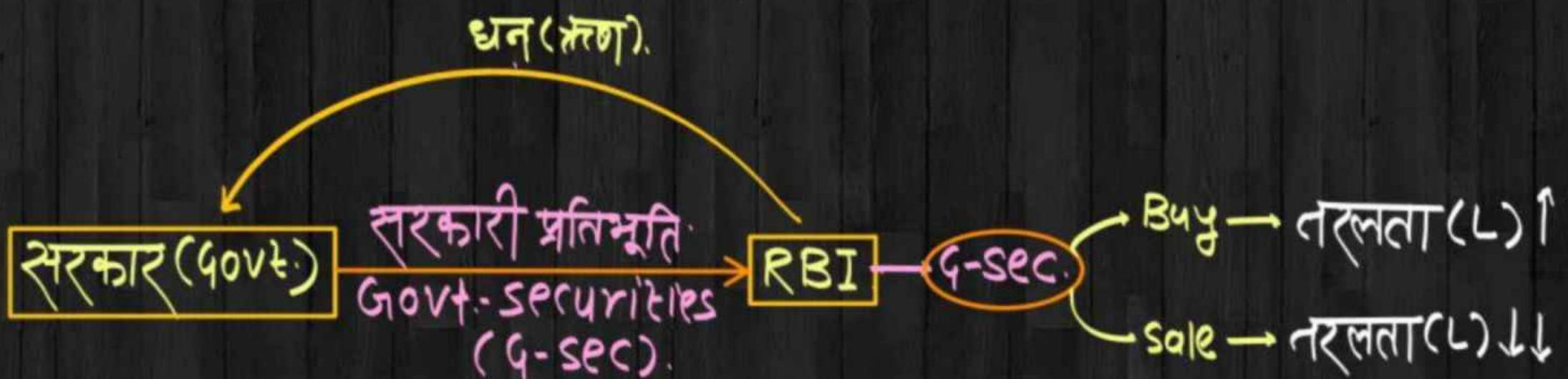
↳ RBI, जिस ब्याज दर (Interest-Rate) पर व्यापारिक बैंकों से, अल्पकाल (short-term) के लिए धन (ऋण (loan)) लेता है। उस ब्याज दर (IR) को RRR कहते हैं।

RRR↑ = तरलता (L)↓
RRR↓ = तरलता (L)↑

↳ वर्तमान में यह → 3.35% है।



⊙ OMO → Open-Market-Operations (खुले बाजार की क्रियाएं)



↳ यह RBI द्वारा किया जाता है। इसमे RBI, सरकारी-प्रतिभूति (G-sec.) का क्रय-विक्रय व्यापारिक बैंको के साथ करती है।

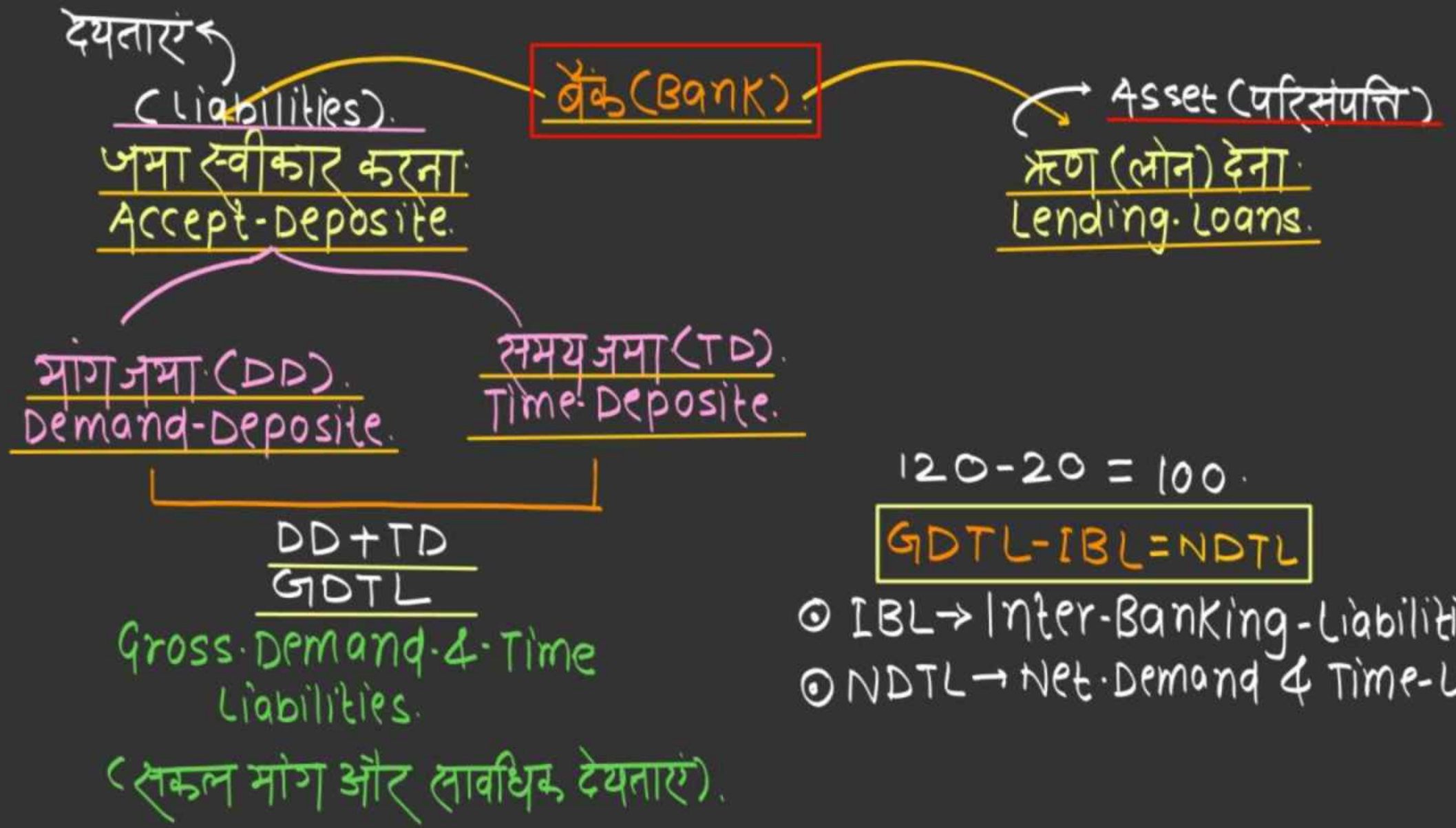
↳ उद्देश्य (Objective) → तरलता (L) को नियंत्रित करना ✓

↳ बैंक दर (Bank-Rate) →

⊙ जिस ब्याज दर (I.R) पर RBI व्यापारिक बैंको को दीर्घावधि (long-term) के लिए ऋण देता है। उसे बैंक रेट कहते है।

⊙ वर्तमान बैंक दर => 6.75% ✓




देयताएं
(Liabilities)
जमा स्वीकार करना
Accept-Deposite
बैंक (Bank)
Asset (परिसंपत्ति)
ऋण (लोन) देना
Lending-Loans
मांग जमा (DD)
Demand-Deposite
समय जमा (TD)
Time-Deposite
DD+TD
GDTL
Gross-Demand-&-Time
Liabilities
(सकल मांग और सावधिक देयताएं)
120-20 = 100
GDTL-IBL=NDTL
IBL → Inter-Banking-Liabilities
NDTL → Net-Demand & Time-Liabilities

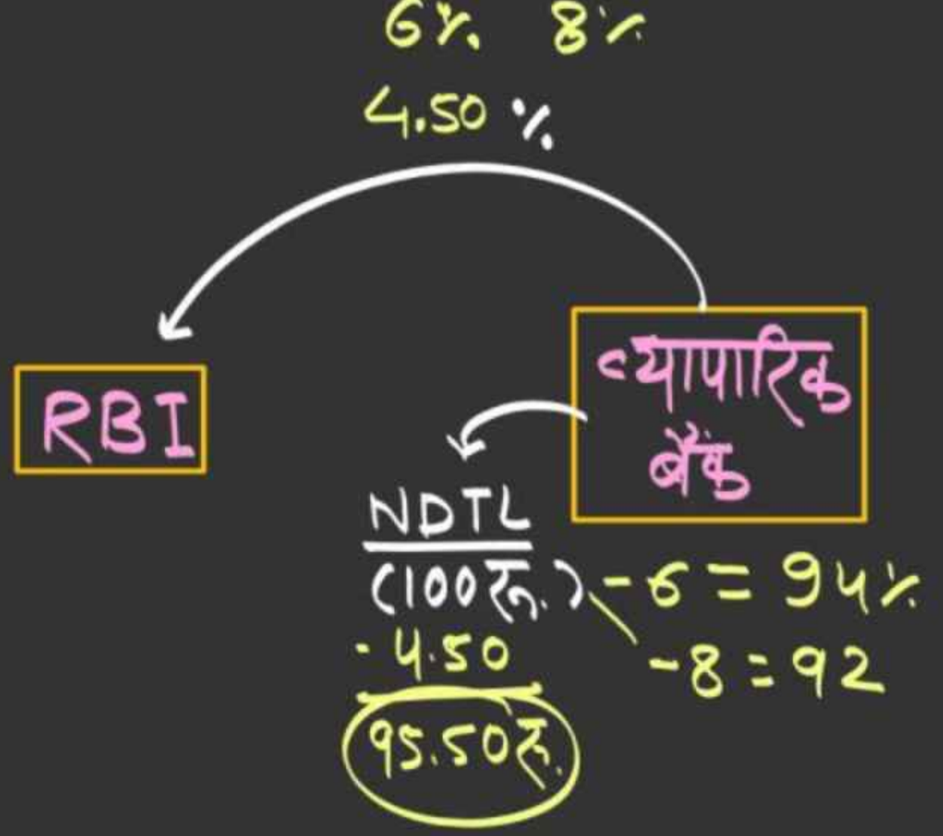
✓ CRR → Cash-Reserve-Ratio
(नकद आरक्षित अनुपात)

↳ यह व्यापारिक बैंक के NDTL का कुछ प्रतिशत हिस्सा होता है।
जो RBI के पास जमा होता है।

↳ इस पर ब्याज (Interest) नहीं मिलता। ✓

↳ वर्तमान में यह 4.50% है।

CRR↑ = तरलता (L)/साख सृजन↓
CRR↓ = तरलता (L) ↑



✓ SLR → Statutory-Liquedity-Ratio
(सांविधिक तरलता अनुपात)

↳ व्यापारिक बैंको के NDTL का कुछ प्रतिशत भाग, उन्हे स्वंय के पास रखना होता है।

↳ यह - Gold, G-Sec तथा Cash के रूप मे हो सकता है।

↳ वर्तमान मे यह => 18% है।

✓ MSF-दर → Marginal-standing-facilities-Rate
(सीमांत सुविधा दर)

└→ वह ब्याज दर (I.R.) जिस पर, ओवरनाईट अवधि के लिए, NDTL की पूर्ति हेतु ऋण लिया जाता है।

└ यह वर्तमान में → 6.75% है।

चयनात्मक (Selective)/गुणात्मक (Qualitative) उपकरण

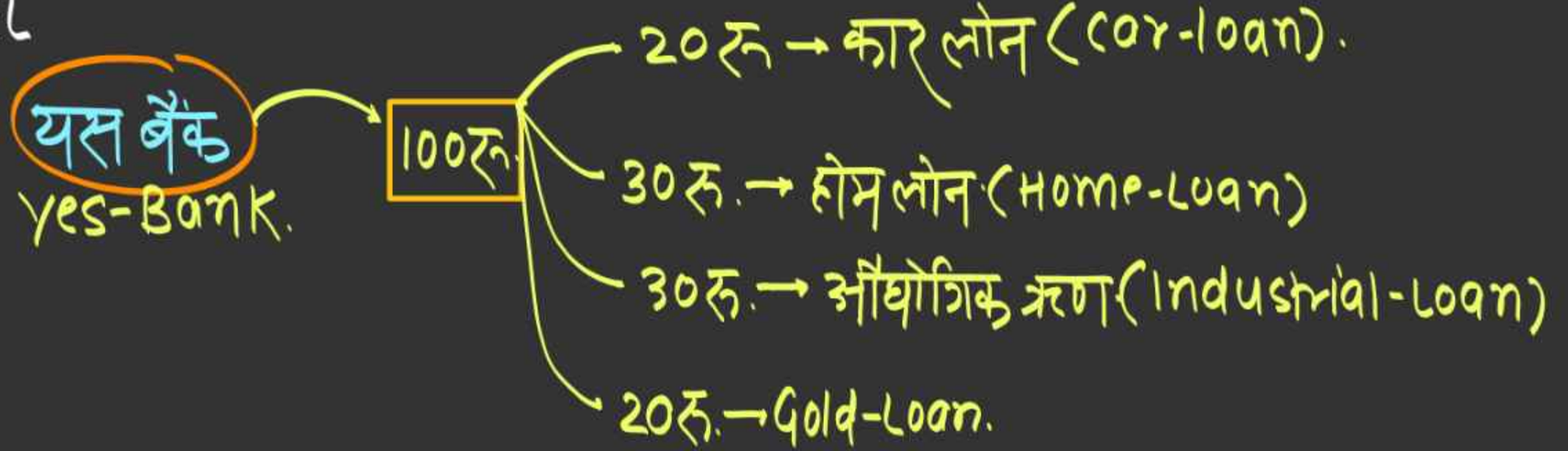
✓ साख राशनिंग (Credit Rationing)

✓ नैतिक दबाव

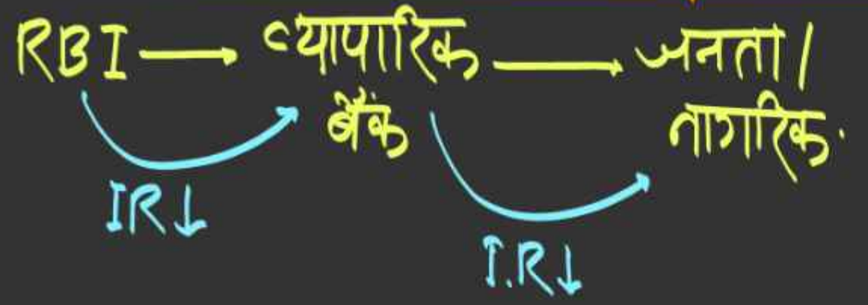
✓ साख/ऋण की उच्च सीमा और निम्न सीमा लगाकर ✓

✓ साख राशनिंग (Credit Rationing) →

↳ व्यापारिक बैंको द्वारा निश्चित समयांतराल में दिए जाने वाले ऋण को अर्थ-व्यवस्था के अलग-अलग सेक्टर में बांट लिया जाता है।



✓ नैतिक दबाव (Ethical/Moral-pressure).



✓ ऋण की उच्च सीमा (Upper-Limit) एवं निम्न सीमा (Lower-Limit) लगाकर →

↳ व्यापारिक बैंको की ऋण की सीमा को अलग-अलग सैक्टर में नियंत्रित किया जाता है।

बैंको का राष्ट्रीयकरण
Nationalisation of Bank

- भारत सरकार की 51% से अधिक हिस्सेदारी ✓
- RBI → 1 जनवरी 1949
- SBI → 1 जुलाई 1955
- चरण (phases) → 2

19 जुलाई 1969

- 14 बैंको ✓
- 50 Cr. → जमा पूंजी (capital) ✓
- गवर्नर → L.K. झा ✓
- PM → इंदिरा गांधी

15 अप्रैल 1980

- 6 बैंको ✓
  1. आंध्रा बैंक
  2. पंजाब एंड सिंध बैंक
  3. न्यू बैंक आफ इण्डिया
  4. विजया बैंक
  5. कार्पोरेशन बैंक
  6. ओरिएन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स
- जमा पूंजी → 200 Cr.
- PM → इंदिरा गांधी
- गवर्नर → I.G. पटेल ✓